समाचार

स्टार रेटिंग हेतु निगम की थी पुख्ता तैयारी, 20 में से केवल 02 पैरामीटर्स पर निगम पिछड़ा

(स्वच्छ सर्वेक्षण का रिजल्ट आना अभी है बांकी, सर्वेक्षण का छोटा सा पार्ट है स्टार रेटिंग)

कोरबा 20 मई 2020 –नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा स्टार रेटिंग हेतु सभी आवश्यक तैयारियां पुख्ता रूप से की गई थी, निर्धारित 20 महत्वपूर्ण पैरामीटर्स में से केवल 02 पैरामीटर पर निगम पिछड़ा है, 18 पैरामीटर्स पर निगम उत्तीर्ण रहा है। अपने कार्यो व तैयारियों से निगम को विश्वास था कि उसे स्टार रेटिंग में सम्मानजनक स्थान मिलेगा, स्टार रेटिंग से निगम का बाहर होना अफसोसजनक है किन्तु स्टार रेटिंग स्वच्छ सर्वेक्षण का एक छोटा सा पार्ट है। निगम के अधिकारी कर्मचारी इससे निराश नहीं है बल्कि आगे और अधिक ऊर्जा व दृढ़ता के साथ कार्य करेंगे तथा कोरबा को स्वच्छता के क्षेत्र में सम्मान दिलाएंगे।

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत जनवरी 2020 में किए गए स्टार रेटिंग हेतु सर्वे कार्य के परिणाम घोषित हो चुके हैं, स्टार रेटिंग स्वच्छ सर्वेक्षण का एक पार्ट है, जो सम्पूर्ण स्वच्छ सर्वेक्षण का 16 प्रतिशत है। संयोगवश नगर निगम कोरबा को स्टार रेटिंग में स्थान प्राप्त नहीं हो सका, जिसका निगम के अधिकारियों को अफसोस अवश्य है किन्तु वे निराश नहीं हैं, स्टार रेटिंग हेतु निगम ने सभी विषयों पर पुख्ता तैयारी की थी, निगम द्वारा विगत एक वर्ष के दौरान स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए कार्यो से निगम को विश्वास था कि स्टार रेटिंग में कोरबा को सम्मानजनक स्थान मिलेगा, जो नहीं मिला, जिसकी सघन समीक्षा की जाएगी तथा कमियों को दूर किया जाएगा।

इन पैरामीटर में रहा बेहतर प्रदर्शन– स्टार रेटिंग हेतु निर्धारित 20 महत्वपूर्ण पैरामीटर्स में 18 पैरामीटर्स पर निगम द्वारा बेहतर कार्य किए गए थे, जिनमें से 08 पैरामीटर्स पर 100 प्रतिशत नम्बर तथा शेष पैरामीटर्स पर 75 से 50 प्रतिशत तक नम्बर प्राप्त हुए तथा इन सभी 18 पैरामीटर्स पर निगम उत्तीर्ण रहा। निगम को डोर–टू–डोर अपशिष्ट संग्रहण, स्त्रोत पृथकीकरण, स्टोरेजबिन्स, सूखे कचरे का प्रसंस्करण, सूखे कचरे के प्रसंस्करण की क्षमता, समस्याओं का निराकरण, यूजर चार्ज, सांईटिफिक लैण्डफिल व कचरे का प्रसंस्करण आदि में शतप्रतिशत नम्बर प्राप्त हुए, वहीं लीटरबिन्स, गीले कचरे का प्रसंस्करण, गीले कचरे के प्रसंस्करण की क्षमता, वल्क वेस्ट जनरेटर कम्प्लाईन्स, स्पाट प्वांइट पैनाल्टी, शहर स्तर पर कचरे का पृथकीकरण, प्लास्टिक उपयोग पर प्रतिबंध, सी.एण्ड डी.वेस्ट का संग्रहण, सांईटिफिक लैण्डफिल की उपलब्धता व उपयोग तथा नालों में जाली आदि पैरामीटर्स पर निगम को 75 से 50 प्रतिशत तथा इन्हीं में से 02 पैरामीटर में 30 व 35 अंक प्राप्त हुए हैं, कुल मिलाकर इन सभी पैरामीटर्स में निगम उत्तीर्ण रहा है, जिसे घोषित परिणाम में देखा जा सकता है। केवल 02 पैरामीटर में निगम को कुछ वार्डो में छोटी कमियों एवं संबंधित वार्ड के कुछ लोगों के निगेटिव फीडबैक के कारण अंक प्राप्त नहीं हुए।

निगम को मिला ओ.डी.एफ. प्लस प्लस– स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत देश के शहरों के किए जा रहे स्वच्छ सर्वेक्षण का एक महत्वपूर्ण पार्ट ओ.डी.एफ. प्लस प्लस है, जिसमें सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों की उत्तम व्यवस्था, इनसे उत्सर्जित मल का सुरक्षित निपटान, खुले में शौचमुक्त शहर आदि तथ्यों के आधार पर मूल्यांकन किया जाता हैं, इन कार्यो नगर निगम कोरबा शतप्रतिशत खरा उतरा तथा कुल नम्बर 500 में से पूरे 500 नम्बर निगम को प्राप्त हुए तथा उसे ओ.डी.एफ.प्लस प्लस रिसर्टिफिकेशन का दर्जा प्राप्त हुआ।

स्वच्छ सर्वेक्षण क्वार्टर वन में देश में पांचवां स्थान मिला– स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 के क्वार्टर वन का परिणाम जनवरी 2020 में घोषित हुआ था, जिसमें नगर निगम कोरबा को देश में 05 वां स्थान प्राप्त हुआ था। इसी प्रकार आई.ई.सी. के तहत स्वच्छता गतिविधियों के प्रचार प्रसार में देश में द्वितीय स्थान प्राप्त होने का गौरव भी निगम को प्राप्त हुआ था।

स्टार रेटिंग हेतु तैयारियों में नहीं थी कमी– जनवरी 2020 में सम्पन्न हुए स्टार रेटिंग सर्वे कार्य की तैयारियों में निगम द्वारा कोई कमी नहीं छोड़ी गई थी, केवल कुछ वार्डो में कुछ तत्कालिक कमियां रह गई थी। स्टार रेटिंग सर्वे का कार्य 20 महत्वपूर्ण पैरामीटर के आधार पर किया गया था, जिसमें केवल दो पैरामीटर पर कुछ वार्डो में निगम खरा नहीं उतर पाया, इसके साथ ही वहां की पब्लिक द्वारा निगेटिव फीडबैक दे दिए गए थे, परिणाम स्वरूप निगम को स्टार रेटिंग नहीं मिल पायी। इसके बावजूद भी स्टार रेटिंग में स्थान प्राप्त न करने वाले प्रदेश के अन्य शहरों में कोरबा नगर निगम का बेहतर स्थान रहा है।

स्वच्छता महाअभियान के बाद भी कुछ वार्ड के लोगों की प्रतिक्रिया रही निगेटिव– नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा विगत नवम्बर–दिवम्बर में सम्पूर्ण नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता का महाअभियान चलाया गया था। वार्ड एवं बस्तियों की सम्पूर्ण सफाई के साथ–साथ वर्षो से बनी कवर्ड नालियों, जिनके निर्माण के पश्चात से ही सफाई नहीं हुई थी, उन नालियों के कवर हटाकर 10 से 12 वर्षो से जमा कचरे को बाहर निकाला गया था, यह स्वच्छता महाअभियान तथा इसमें किए गए कार्य अपने आप में अभूतपूर्व थे, इसके बावजूद भी कुछ वार्डो के कुछ नागरिकों द्वारा स्टार रेटिंग सर्वे के दौरान साफ–सफाई के प्रति निगेटिव प्रतिक्रिया दी गई, परिणाम स्वरूप संबंधित पैरामीटर पर निगम को अंक प्राप्त नहीं हो सका।